109[a]),1. Huc etiam trahimus goth. *gagga* eo, servatâ initiali mediâ, v. gr. comp. 92. et abjecto *m* finali, ita ut *gagga,* ad quod pertinet nostrum *Gang,* conveniat cum formâ intensivâ जङ्गम् - v. gr. 569. - ad quam etiam lith. *źengiù* incedo pertinet, cum *ź* pro *g* vel ज् (v. p. 99. not. et mox ग्म् terra). De lith. *kankù* v. कङ्क्, et de hib. et scot. *ceum, ceim* v. क्रम्. E linguâ lat. cum Pottio I. p. 260. huc traxerim *venio,* ita ut hoc ortum sit e *guemio,* abjectâ gutturali, sicut e. c. in *vivo* e *guivo* = जीवामि, *vermis* e *quermis* = कृमि q.v., et, nisi fallor, in *vates,* quod non ad φη-μί, *fari,* sed ad कथ्, goth. *QVATH* traxerim.)

c. अति praef. वि praeterire, *de tempore.* A. 3. 3.: कथम् अर्जुन कालो ऽयं स्वर्गे व्यतिगतस् तव.

c. अधि 1) adire, advenire, pervenire, adipisci. N. 19. 30.: अध्यगच्छत् कुशान् अश्वान्; Man. 2. 218.: खनन् वार्य् अधिगच्छति. *Pass.* inveniri, *es gibt.* M. 50.: मत् परन् ना 'धिगम्यते. 2) legere. Hit. 4. 12.: पुत्राणाम् अनधिगतशास्त्राणाम्; cf. इ praef. अधि. 3) praeterire, praetermittere, omittere, negligere, *solum in constructione cum* न. N. 17. 49.: ते पुराणि सराष्ट्राणि अन्वेषन्तो नलं राजन् ना 'धिजग्मुः; H. 1. 30.: शयनेषु परार्ध्येषु ... ना 'धिजग्मुस् तदा निद्राम्; R. Schl. I. 7. 17.: ना 'ध्यगच्छद् विशिष्टम् वा तुल्यम् वा शत्रुम् आत्मनः.

c. अधि praef. सम् obtinere. Ragh. 9. 1.: उत्तरकोशलान् समधिगम्य (Schol. Calc. समधिगम्य = प्राप्य).

c. अनु sequi. N. 13. 48.

c. अन्तर् 1) intro ire, intro abire, intus recondi. Hit.: नेत्रवक्त्रविकाराभ्याञ् ज्ञायते ऽन्तर्गतम् मनः. 2) interire, perire. Bh. 7. 28.: येषाम् अन्तर्गतम् पापम्.

c. अप abire. Lass. 48. 23. - C. अप praef. वि *id.* In. 5. 62.

c. अभि adire, aggredi. In. 2. 19. Su. 1. 17. 4. 6.

c. अव scire, nosse; putare. Bh. 10. 41.: यद् यद् विभूतिमत् सत्त्वम् ... तत् तद् एवा 'वगच्छ त्वम् मम तेजोंशसम्भवम्; N. 12. 84.: तस्य माम् अवगच्छध्वम् भार्याम्; Ragh. 8. 87.: अवगच्छति मूढचेतनः प्रियनाशं हृदि शल्यम् अर्पितम्. (Cf. इ praef. अव.)

c. आ adire, accedere, advenire. In. 1. 2. 3. 6. Su. 4. 21. - आगत *n.* casus, eventus. N. 13. 24.

c. आ praef. अभि *id.* - अभ्यागत *m.* advena, hospes. Hit.: पतिर् एको गुरुः स्त्रीणां सर्वत्रा 'भ्यागतो गुरुः.

c. आ praef. उप *id.* N. 16. 27. 19. 11. Su. 4. 2. - c. उप praef. सम् *id.* Mah. 2. 768. *c. loc.*: जरासन्धस्य निधने कालो ऽयं समुपागतः.

c. आ praef. परि circumgredi. Mah. 1. 4567.: विविधपर्यागतान् अर्थान्.

c. आ praef. प्रति 1) redire, reverti. In. 5. 51. Dr. 8. 50. 2) ad se redire, animum recipere. Ur. 6. 9.: उर्वशी प्रत्यागच्छति.

c. आ praef. सम् 1) adire, aggredi, advenire, *c. acc.* In. 2. 15.: तान् सर्वान् स समागम्य; N. 21. 21. 2) congredi, convenire, *c. instr.* Dr. 5. 22.; *ad pugnandum* H. 4. 4. Bh. 1. 23.

c. उत् 1) provenire, exire. Ragh. 7. 16.: उद्गताः पौरवधूमुखेभ्यः शृण्वन् कथाः. 2) crescere, adolescere; उद्गत adultus. H. 2. 18.: शालपोतम् इवो 'द्गतम्; Ragh. 18. 19.: उद्गतनामधेय excelsum, praeclarum nomen habens.

c. उत् praef. प्रति obviam ire. Ragh. 2. 20.: प्रत्युद्गता ... पत्न्या.

c. उत् praef. सम् prodire. Lass. 61. 9.: समुद्गतस्वेदचिताङ्गसन्धि.

c. उप adire, accedere. N. 21. 11. In. 3. 10. *Part. praet. redupl.* उपजग्मिवस्. Su. 1. 29. Sa. 1. 4. - स्त्रियम् उपगन्तुम् concumbere cum feminâ. Man. 4. 40.

c. नि subire, शान्तिम् tranquillitatem. Bh. 9. 31. 18. 36.

c. निस् (निर्गम्) exire. In. 5. 5. H. 1. 1. - Praef. अभि (अभिनिर्गम्) *id.* R. Schl. I. 9. 13. - Praef. वि (विनिर्गम्) *id.* Mah. 1. 1341.

c. परि 1) circumgredi. N. 12. 108. Sa. 6. 3.; ह्रीपरिगत pudore circumfusus. Hit. 2) cognoscere. Ragh. 7. 68.: परिगतार्थ (Schol. Calc. ज्ञातो ऽर्थो येन).